Mechanised Boats

86. Shri A. K. Gopalan: Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) the target of construction of the mechanised boats during the Third Five Year Plan period;

(b) the number of mechanised boats completed during 1961-62; and

(c) the number of boats completed in each of the States of Kerala and Madras?

The Deputy Minister in the Ministry of Food and Agriculture (Shri A. M. Thomas): (a) About 4,000 boats are proposed to be mechanized during the Third Plan period.

(b) and (c). The necessary information is being collected and will be laid on the table of the Sabha as soon as it is collected.

बेर के फल में सुधार

८७. **श्री तन सिंह :** क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बेर के फल में सुधार के सम्बन्ध में कोई अनुसन्धान कार्य किया जा रहा है ;

(ख) देश में किन किन स्थानों अथवा राज्यों में क्या कार्य किया जा रहा है;

(ग) इस पर कितना खर्च हुआ है; और

(घ) अनुसन्धान के क्या परिणाम रहे; और

(ङ) इन परिणामों को कार्यान्वित करने के सम्बन्ध में क्या योजना बनाई गई और उस पर कितना खर्च होने की सम्भावना है ?

खाद्य और कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) जी हां ।

(ख) बर के फल के सम्बन्ध में निम्न स्थानों पर अनुसन्धान कार्य किया जा रहा है :—

(१) राजस्थान (अजमेर)

(२) पंजाब (बहादुरगढ़)

(३) मध्य प्रदेश (गोबिन्दगढ़ और सिलारी फार्म)

(४) गुजरात (जूनागढ़)

(ग) बेर फल के अनुसन्धान के सम्बन्ध में अब तक (लगभग) १,७६,००० रुपये खर्च हुए हैं ।

(घ) अनुसन्धान योजनाओं पर कार्य जारी है और वास्तविक परिणाम अभी प्राप्त होने हैं । फिर भी, मध्य प्रदेश में अभी तक जो कार्य हुआ है, उसके अनुसार नामों, गोल और बादामी नामक तीन किस्में वहां के बेर उगाने वाले प्रदेशों के लिये उपयुक्त पाई गई है । इन किस्मों पर फल-मक्खी के हमले की सम्भावना कम है ?

(ङ) मध्य प्रदेश में बागानी अनुभाग का विस्तार स्टाफ घटिया किस्म के बेरों पर बढ़िया किस्म के बेरों की कलमें बढ़ान के लिय इन परिणामों को काम में ला रहा है ।

विभिन्न केन्द्रों में चल रहे कार्य के अन्तिम परिणाम अभी प्राप्त होने हैं और ज्यों ही यह कार्य हो जायेगा, उपयोगी परिणामों के प्रचार के लिये कदम उठाये जायेंगे ।

राजस्थान में भेड़ पालन केन्द्र

८८. **श्री तन सिंह :** क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) द्वितीय पंचवर्षीय योजाना के अन्तर्गत कितने भेड़ पालन केन्द्र राजस्थान में स्थापित किये गये और उन की जिलेवार संख्या क्या है;

(ख) इन केन्द्रों की क्या मुख्य प्रवृत्तियां थीं और वे उन में कहां तक सफल हुए;

(ग) इन पर द्वितीय योजना की अवधि में क्या व्यय किया गया ; और

(घ) तृतीय पंचवर्षीय योजना काल मे ऐसे और कितने केन्द्र स्थापित किये जायेंगे ?

खाद्य और कृषि मन्त्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) द्वितीय पंच वर्षीय योजना की अवधि में राजस्थान में ७३ भेड़ और ऊन विस्तार केन्द्र खोले गये। उन का जिलेवार ब्यौरा निम्नलिखित है :-

जिले का नाम	विस्तार केन्द्रों की संख्या
चित्तौड़गढ़	२
उदयपुर	५
डूंगरपुर	१
भीलवाड़ा	२
सिकर	८
टोंक	६
नगौर	८
झुनजुनू	८
चूरू	७
जलोर	७
बरमेर	४
अजमेर	११
सिरोही	४
कुल	७३

(ख) कार्य —

१. केन्द्र के १० मील के अर्ध-व्यास के अन्तर्गत भेड़ों के दलों का सर्वे करना और अधिक सुधार के लिये दलों की रजस्टिर करना यह कार्यवाही गांवों के एक ऐसे समूह मे की जा रही है, जिस में ५००० भेड़ें हैं।

२. स्टाक एवं सुविधाओं को बढ़ाना—जैसे सामयिक डुबो कर रंगना, खुराक देना इत्यादि।

३. उत्पादन शक्ति के बढ़ाने के उद्देश्य से सवीकृत नसल के प्रजनन मेढ़ों की देखभाल और उन का वितरण करना।

४. वितरण के लिये वैज्ञानिक कर्तन, श्रेणीकरण और ऊन तैयार करने में भेड़ पालकों को शिक्षा देना।

५. सुधरे हुए औजारों का प्रयोग—जैसे शीयर्स हुप-पेयरिस नाइवस, (sheers hoop pairing knives) कैस्ट्रेटरस (castrators) डोजिंग औजार (dozing equipment) इत्यादि।

६. उत्तम भेड़ों के दलों की देखभाल करने के कार्य को प्रोत्साहन देने के लिये भेड़ पालकों के ऐसोसियेशन बनाना।

७. रोगों के नियंत्रण में सहायता देना और केन्द्र में भेड़ों के स्वामियों द्वारा पाले गये भेड़ों के दलों को प्राथमिक उपचार में सहायता देना।

सफलता की प्राप्ति —

(१) भेड़ों के ६५० दल रजिस्टर किये गये और उन में गहन चुनाव किया गया।

(२) ५३ भेड़ पालन सहकारी समितियों और २८ भेड़ पालन ऐसोसियेशनों को रजिस्टर किया गया।

(३) अपनी भेड़ें सुधारने के लिये ब्लाक मालिकों को लगभग ४२०० स्वीकृत नसल के मेढ़े बांटे गये :

(४) द्वितीय योजना की अवधि के अन्त में सेम्पल सर्वे से पता चला है कि जिन प्रदेशों मे ये केन्द्र स्थापित हैं, उन के सामान्य वूल क्लिप (wool clip) से ५ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

(५) लगभग १,२५,००० भेड़ों को खुराक दी गई और लगभग ५०,००० मेढ़ों को बधिया किया गया।

(ग) ८,०३,२०० रुपये।

(घ) २४ नये विस्तार केन्द्र।